10 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन, नदी में फंसे 4 युवकों को बचाया

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले के जावर थाना क्षेत्र अंतर्गत हांडीकुंड में सुक्ता और आवना नदी के बीच स्थित टापू पर फंसे चार युवकों को लगभग साढ़े 10 घंटे तक चले अत्यंत चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान के बाद शुक्रवार तड़के सकुशल बाहर निकाल लिया गया। गुरुवार शाम करीब 6 बजे पुलिस कंट्रोल रूम और थाना जावर से सूचना प्राप्त हुई थी कि अचानक जलस्तर बढ़ जाने से चार युवक नदी के मध्य टापू पर फंस ए हैं। चारों ओर से तेज जलधारा होने के कारण उनका खुद बाहर निकलना असंभव हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही एसडीईआरएफ खंडवा की टीम और कंपनी कमांडर रविंद्र महिवाल तत्काल घटनास्थल पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। प्रारंभिक प्रयास में अत्यधिक जलप्रवाह और नदी के तीव्र बहाव के कारण मोटरबोट को आगे बढ़ाना जोखिमपूर्ण हो गया था।

हालात को देखते हुए प्रशासन और एसडीईआरएफ ने तकनीक का सहारा लिया और ड्रोन की मदद से चारों युवकों तक लाइफ जैकेट पहुंचाई, जिसे उन्होंने पहन लिया। इसके साथ ही भोजन और पेयजल के पैकेट भी ड्रोन के माध्यम से उपलब्ध कराए गए। पूरी रात युवकों से मोबाइल पर लगातार संपर्क बनाए रखते हुए उनका मनोबल बढ़ाया गया। इस दौरान प्रभारी कलेक्टर डॉ. नागार्जुन गौड़ा, पुलिस अधीक्षक अगम जैन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तरणेकर सहित एसडीईआरएफ इंदौर टीम के प्रभारी कंपनी कमांडर रोहन रायकवार, पुलिस, होमगार्ड और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में पूरी रात मौके पर डटे रहे। प्रशासन द्वारा सुकता बांध से अतिरिक्त पानी नहीं छोड़े जाने के संबंध में भी आवश्यक समन्वय किया गया और बैकअप के रूप में एनडीआरएफ उज्जैन की टीम को भी रवाना कर दिया गया था।

शुक्रवार तड़के जलस्तर में आंशिक कमी आने पर एसडीईआरएफ खंडवा और एसडीईआरएफ इंदौर की संयुक्त टीम ने अंतिम और निर्णायक अभियान प्रारंभ किया। सुरक्षा रस्सियों से नियंत्रित मोटरबोट को प्रचंड जलधारा के बीच आगे बढ़ाते हुए रेस्क्यू दल टापू तक पहुंचा और अत्यंत साहस का परिचय देते हुए सुबह 4:45 बजे चारों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सुरक्षित रेस्क्यू किए गए युवकों में हुजेफा हामिद (40 वर्ष), मयंक उर्फ गोपाल (16 वर्ष), अली अजगर और आयुष (18 वर्ष) शामिल हैं, जो सभी खंडवा जिले के निवासी हैं। इस लगभग असंभव प्रतीत होने वाले अभियान की सफलता पर उपस्थित ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने एसडीईआरएफ जवानों के साहस और सेवा-भाव की मुक्तकंठ से सराहना की।

मूसलधार बारिश से नदियां उफान पर किसानों की उम्मीदों पर फिरा पानी, अगले 5 दिन अलर्ट

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले में मानसून पूरी तरह मेहरबान है, लेकिन लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। पिछले 24 घंटों में जिले भर में 74.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। सर्वाधिक 128 मिलीमीटर (लगभग 5 इंच) पानी अकेले खंडवा तहसील में बरसा है। भारी बारिश के कारण जिले की नदियां लबालब होकर उफान पर हैं, कई गांवों का मुख्य मार्गों से संपर्क टूट गया है और शहर की निचली बस्तियों के कई घरों में पानी घुस गया है, जिससे रहवासियों को खासी परेशानी हो रही है।

जिले में मक्का और कपास की फसलें को नुकसान : इस अतिवृष्टि का सबसे बड़ा खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। जिले की सभी प्रमुख तहसीलों—खंडवा, पंधाना, नया हरसूद, पुनासा और खालवा—के ग्रामीण अंचलों में खेतों में पानी भर गया है। मक्का और गर्मी की कपास की फसल को लगभग 100 प्रतिशत नुकसान होने का दावा किया जा रहा है। छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्राम खजूरी में किसान राधेश्याम चौहान के चार एकड़ खेत में लगी फसल जड़ से उखड़कर जमीन पर बिछ गई है। किसानों में भारी निराशा है और उनका आरोप है कि आपदा प्रबंधन सिर्फ कागजों तक सीमित है; प्रशासन की ओर से अब तक नुकसान का जमीनी सर्वे शुरू नहीं किया गया है।

जमीन में धंस गया 65 फीट गहरा आरसीसी का कुआं

लगातार हो रही बारिश के बीच ग्राम बड़गांव भीला में एक बड़ी घटना सामने आई। यहाँ एक किसान के खेत में बना करीब 65 फीट गहरा आरसीसी (कंक्रीट) कुआं अचानक धंस गया। देखते ही देखते पूरा कंक्रीट का भारी-भरकम ढांचा जमीन में समा गया, जिसके बाद इलाके में दहशत और चर्चा का माहौल है।

मकान और ढाबे गिरे, जनप्रतिनिधियों ने लिया जायजा : बारिश का कहर ग्राम देशगांव में नेशनल हाईवे बायपास पर भी देखने को मिला। बस्ती क्षेत्र में कुछ कच्चे-पक्के मकान गिर गए, जबकि हाईवे किनारे स्थित होटलों और ढाबों को भी खासा नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक छाया मोरे और भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर ने राजस्व अधिकारियों के दल के साथ मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों को राहत दिलाने का आश्वासन दिया।

रिकॉर्ड बारिश- पिछले साल का आंकड़ा पार : भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष जिले में अब तक शानदार बारिश हुई है। गत वर्ष 31 जुलाई तक जिले में 326 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी, जबकि इस वर्ष अब तक जिले का औसत आंकड़ा 415 मिलीमीटर तक पहुँच चुका है।

प्रशासन अलर्ट मोड पर, अगले 5 दिन भारी बारिश के आसार : स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम सहित समूचे जिला प्रशासन की टीम पूरी तरह मुस्तैद है और जलभराव वाले क्षेत्रों में सतत निगरानी कर रही है। आपात स्थिति से निपटने के लिए रेस्क्यू और राहत दल को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे उफनती नदियों और रपटों को पार करने का जोखिम बिलकुल न उठाएं और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

वहीं, मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, क्षेत्र में सक्रिय लो प्रेशर सिस्टम के कारण खंडवा और पूरे निमाड़ क्षेत्र में अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की, मध्यम और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

कांवड़ यात्रा के लिए मार्ग और पार्किंग व्यवस्थाओं का निरीक्षण

नवभारत न्यूज़

खंडवा। श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए खंडवा पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक यातायात अनिल कुमार राय एवं एनएचएआई की टीम ने कांवड़ यात्रा मार्ग, प्रमुख सड़कों, संवेदनशील स्थानों तथा चिन्हित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यातायात को सुचारू बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण, मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने और श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने पार्किंग स्थलों की क्षमता, प्रवेश एवं निकास मार्ग, संकेतक बोर्ड, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और संबंधित विभागों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

साथ ही कांवड़ यात्रियों के लिए पृथक पैदल मार्ग, वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था, भारी वाहनों के डायवर्जन तथा वैकल्पिक मार्गों की योजना पर भी विशेष जोर दिया गया। पुलिस ने आमजन से यातायात नियमों का पालन करने, प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है, ताकि कांवड़ यात्रा सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

राष्ट्रीय वनमाली विशिष्ट कथा सम्मान की घोषणा

तीन वरिष्ठ साहित्यकारों को किया जाएगा अलंकृत

नवभारत न्यूज़

खंडवा। कथाकार एवं शिक्षाविद् जगन्नाथ प्रसाद चौबे वनमाली की 114वीं जयंती के अवसर पर आयोजित वनमाली सृजन केंद्रों के छठवें राष्ट्रीय सम्मेलन के तहत वर्ष 2026 के राष्ट्रीय वनमाली विशिष्ट कथा सम्मान की घोषणा की गई है।

इस वर्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कृष्णा अग्निहोत्री, डॉ. रमेश दवे और सूर्यकांत नागर को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह 7 अगस्त को इंदौर में होगा, जबकि 6 अगस्त को देवास में चित्रकार अफ़ज़ल की स्मृति में व्याख्यान, चित्र प्रदर्शनी और पद्मश्री प्रहलाद सिंह टिपाणिया के कबीर गायन का आयोजन किया जाएगा।

वहीं 9 अगस्त को डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा में वनमाली सृजन केंद्रों का छठवां राष्ट्रीय सम्मेलन होगा। सम्मेलन में देशभर के सैकड़ों साहित्यकार, रचनाकार और सृजन केंद्रों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान हिंदी भाषा, साहित्य, कला और पुस्तक संस्कृति पर विशेष सत्र, पुस्तकों का लोकार्पण, उत्कृष्ट सृजन केंद्रों का सम्मान तथा राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। आयोजन में श्री संतोष चौबे की अध्यक्षता में विभिन्न राज्यों के साहित्य और कला जगत के विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

खंडवा-इंदौर मार्ग भार वाहनों के लिए 28 तक प्रतिबंधित

खंडवा श्रावण मास में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन को आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। यातायात सुगम बनाने के लिए इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर 28 अगस्त तक भारी वाहनों की नो-एंट्री कर नया रूट डायवर्जन लागू किया गया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने मोटरयान अधिनियम के तहत यह आदेश जारी किया है। 28 अगस्त तक हाईवे पर भारी मालवाहक वाहनों का संचालन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। नए रूट के अनुसार, बुरहानपुर-खंडवा से इंदौर जाने वाले भारी वाहन अब देशगांव से खरगोन, कसरावद, खलघाट और महू होकर इंदौर जाएंगे। वहीं, इंदौर से खंडवा-बुरहानपुर आने वाले भारी वाहन महू, खलघाट, कसरावद, खरगोन, भीकनगांव और देशगांव होते हुए आएंगे। आवश्यक सेवाओं को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। इनमें दूध, पानी के टैंकर, स्वास्थ्य सेवाएं, पुलिस, आर्मी, फायर ब्रिगेड, विद्युत कंपनी, एलपीजी-पेट्रोलियम वाहन, सब्जी ले जाने वाले वाहन और सभी यात्री बसें शामिल हैं।

किसानों ने की कर्ज माफी-फसल बीमा में सुधार की मांग

नवभारत न्यूज़

खंडवा: पुरानी अनाज मंडी में संयुक्त कृषक संगठन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में किसानों की वर्तमान समस्याओं पर चर्चा कर प्रशासन से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), संपूर्ण कर्ज माफी और फसल बीमा योजना में व्यावहारिक सुधार की पुरजोर मांग की गई। संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसानों की ये मांगें नहीं मानी गईं, तो पूरे जिले में ग्रामीण स्तर पर बैठकें कर किसानों की सहमति जुटाई जाएगी और जिला मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

संगठन की प्रमुख मांगों में किसानों की समस्त उपज वर्ष भर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाए या भावांतर योजना को पूरे वर्ष लागू किया जाए, जिससे किसानों को उचित मूल्य मिले और सरकार का वित्तीय भार भी कम हो। इसके अलावा, जिले में सोयाबीन से किसानों का मोहभंग होने और मक्के का रकबा 50 हजार हेक्टेयर तक पहुंच जाने के कारण, मक्का को भी अधिसूचित फसल घोषित कर समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग की गई। किसानों ने बताया कि पिछले कुछ सालों की अव्यावहारिक कृषि नीतियों और बेमौसम बारिश से भारी घाटा हुआ है और कई किसान डिफाल्टर हो चुके हैं, इसलिए सभी बैंकों का कर्ज पूर्णत: माफ किया जाए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सुधार के लिए प्याज, मिर्च, अरबी और हल्दी सहित सभी फसलों का बीमा करने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि बीमा एजेंट किसान के घर जाकर बीमा करें या ग्राम स्तर पर कार्यालय बनाए जाएं। फसल बीमा का आधार ऋण मान हो और %औसत उत्पादन% फॉर्मूले को हटाकर वास्तविक उपज और नुकसान का सटीक आकलन किया जाए। इस बैठक में जिला अध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष देवराय यादव, संभाग अध्यक्ष आशीष बरोले, जिला मंत्री जय पटेल, मीडिया प्रभारी रविन्द्र पाटीदार, सह मंत्री मुकेश मालवीय, तहसील अध्यक्ष जयपाल सिंह, माखन पटेल, राजेन्द्र प्रजापति आदि थे।

जर्जर मीटर बॉक्स दे रहे हादसों को न्योता

नवभारत न्यूज़

पंधाना। नगर पंधाना में विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बिजली के खंभों पर अव्यवस्थित ढंग से लगाए गए लोहे के मीटर बॉक्स आम जनता के लिए एक बड़ा और जानलेवा खतरा बन चुके हैं। जर्जर और खुले मीटर बॉक्सों से करंट फैलने और किसी बड़ी जनहानि की आशंका को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, पंधाना के कार्यपालन यंत्री को ज्ञापन सौंपकर इन्हें तुरंत हटाने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया है कि पूरे मध्य प्रदेश में पंधाना ही ऐसा शहर है जहाँ खंभों पर लोहे के मीटर बॉक्स लगाए गए हैं। वर्तमान में इनकी स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। अधिकांश बॉक्स के दरवाजे टूट चुके हैं और नंगे तार बाहर की ओर झूल रहे हैं, जिससे हर समय करंट फैलने का डर बना रहता है। सड़कों के बीचों-बीच लगे अव्यवस्थित खंभे और उन पर लटकते बॉक्स मुख्य मार्ग के वाहन चालकों के लिए भी भारी परेशानी का सबब हैं। कई स्थानों पर विद्युत पोल खतरनाक तरीके से झुक चुके हैं, जिनसे पूर्व में दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। पत्र में स्पष्ट आरोप लगाया गया है कि इन बॉक्सों को लगाने में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।शिकायतकर्ताओं ने रोष जताते हुए कहा कि पूर्व में कई बार मौखिक अवगत कराने के बावजूद विभाग ने लापरवाही बरती और ध्यान नहीं दिया। चेतावनी दी गई है कि यदि शीघ्र बॉक्स नहीं हटाए और कोई जनहानि होती है, तो जवाबदेही विद्युत विभाग की होगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पत्र की प्रतिलिपि ऊर्जा मंत्री, प्रमुख सचिव, खंडवा सांसद, पंधाना विधायक, खंडवा कलेक्टर और पंधाना एसडीएम को भी भेजी गई है। 31 जुलाई 2026 को एसडीएम कार्यालय में आवक क्रमांक 173 के तहत इसे दर्ज कर लिया गया है।

10 वर्ष से फरार गैंगरेप का इनामी आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज़

खंडवा। थाना कोतवाली पुलिस ने अपहरण एवं गैंगरेप मामले में पिछले 10 वर्षों से फरार चल रहे 3 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में गंभीर अपराधों, महिला संबंधी अपराधों एवं फरार आरोपियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार आरोपी मनीष पिता सखाराम एंकले (33), निवासी चंपा तालाब, खंडवा के खिलाफ वर्ष 2015 में थाना कोतवाली में अपहरण, दुष्कर्म, धमकी एवं पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी लगातार अपनी पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बचता रहा। उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा 3 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। लगातार मुखबिर तंत्र और तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण आर्य, प्रधान आरक्षक रफीक खान तथा आरक्षक अनुराग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 7 अगस्त से, अधिकारियों को तैयारियों के निर्देश

नवभारत न्यूज़

खंडवा। नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं के शत-प्रतिशत निराकरण के उद्देश्य से जिले में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 आगामी 7 अगस्त से प्रारंभ होने जा रहा है। शुक्रवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में जिला पंचायत सीईओ एवं प्रभारी कलेक्टर डॉ. नागार्जुन गौड़ा ने इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां अभी से शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

अभियान के तहत अधिकारियों का पहला दौरा 7 अगस्त को खालवा विकासखंड के ग्राम सुंदरदेव से शुरू होगा। प्रभारी कलेक्टर ने एसडीएम हरसूद रमेश खतेड़िया को निर्देश दिए हैं कि वे सुंदरदेव एवं आसपास के गांवों का दौरा कर वहां की जनसमस्याओं की जानकारी जुटाएं। साथ ही, इन पंचायतों में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी से संबंधित लंबित आवेदनों का समय-सीमा में और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाए। बैठक में प्रभारी कलेक्टर डॉ गौड़ा ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल शिकायतों का निराकरण करना नहीं है, बल्कि शासन और नागरिकों के बीच विश्वास कायम रखना भी है। इसके लिए अभियान के अंतर्गत हर सप्ताह शुक्रवार को अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद करेंगे और शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत परखेंगे। आगामी 7 अगस्त को अधिकारीगण ग्राम सुंदरदेव में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक मौजूद रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे। इस दौरान गांव में योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति देखने के साथ ही अधिकारी बच्चों में दागना प्रथा तथा कुपोषण जैसे गंभीर विषयों पर ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें विशेष रूप से जागरूक भी करेंगे।